Literacy for a Billion

Movie: Prem Pujari
Year: 1970

Song: Phoolon Ke Rang Se
Lyricist: Neeraj

फूलों के रंग से
दिल की कलम से
तुझको लिखी रोज़ पाती
कैसे बताऊँ
किस किस तरह से
पल पल मुझे तू सताती

तेरे ही सपने लेकर के सोया
तेरी ही यादों में जागा
तेरे ख़यालों में उलझा रहा यूँ
जैसे कि माला में धागा
हाँ बादल बिजली चंदन पानी
जैसा अपना प्यार
लेना होगा जनम हमें
कई कई बार

हाँ इतना मदिर
इतना मधुर तेरा मेरा प्यार
लेना होगा जनम हमें
कई कई बार

साँसों की सरगम
धड़कन की बीना
सपनों की गीतांजलि तू
मन की गली में
महके जो हरदम
ऐसी जूही की कली तू

छोटा सफ़र हो
लंबा सफ़र हो
सूनी डगर हो या मेला
याद तू आए
मन हो जाए
भीड़ के बीच अकेला

हाँ बादल बिजली चंदन पानी
जैसा अपना प्यार
लेना होगा जनम हमें
कई कई बार

हाँ इतना मदिर
इतना मधुर तेरा मेरा प्यार
लेना होगा जनम हमें
कई कई बार

पूरब हो पच्छिम
उत्तर हो दक्खिन
तू हर जगह मुसकुराए
जितना ही जाऊँ
मैं दूर तुझसे
उतनी ही तू पास आए

आँधी ने रोका
पानी ने टोका
दुनिया ने हँसकर पुकारा
तस्वीर तेरी
लेकिन लिए मैं
कर आया सबसे किनारा

हाँ बादल बिजली चंदन पानी
जैसा अपना प्यार
लेना होगा जनम हमें
कई कई बार
हाँ इतना मदिर
इतना मधुर तेरा मेरा प्यार
लेना होगा जनम हमें
कई कई बार
कई कई बार
कई कई बार

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*